प्रकाशन क्रमांक

हरियाणा सरकार

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरिक्षण

जिला ---- पानीपत

वर्ष ------2009-2010

निदे ाक

अर्थ तथा सांख्यिकीय वि लेशण विभाग
हरियाणा सरकार

जिला सांख्यिकीय कार्यालय, पानीपत।

जिला सामाजिक आर्थिक पुनरिक्षण जिला –– पानीपत

विषय सूचि – 2009–010

विषय		पृष्ठ संख्या
परिशिष्ठ – 1	सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण–––––– जिला पानीपत	1–2
परिशिष्ठ – 2	स्थिति तथा भौतिक विशेषताऐं	1–2

1– **स्थिति तथा भौतिक विशेषताऐ** 3.4

स्थिति

क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढंचा

भौतिक विशेषताऐ

खनिज सम्पदा

नदियां

जलवायु तथा वर्षा

मिटटी

भू जल विज्ञान

2– **जनसंख्या** 5.7

जनगणना के आंकड़े

घनत्व

ग्रामीण व शहरी जनसंख्या

0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या

मलिन बस्तियों में लिंगानुपात

साक्षरता–ग्रामीण व शहरी

मलिन बस्तियों में साक्षरता

3– **वन** 8

वनों के अधिन क्षेत्रफल

4– **कृषि** 9–10

भूमि का प्रयोग

कृषि जोते

मुख्य फसलो का उत्पादन

अधिक उपजाउ किस्मे

रसायनिक खाद का वितरण

पौधौं की सुरक्षा का उपाय

कृषि यन्त्र तथा उपकरण

कृषि उपज बिक्री संग्रहण

समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

भूमि विकास कार्यक्रम

5— **सिंचाई** 11
सिंचाई के साधन
फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र
सिंचाई की सघनता
नलकूप/ पम्पिंग सैट
बाड़

6— **पशुपालन तथा डेरी** 12
पशुधन
पशु चिक्त्सिालय सेवाऐं
डेरी दुग्ध उत्पादन
7— **मछली पालन** **13**
8— विद्युत 14
विद्युतिकरण शहरी/ग्रामीण
नलकूप
विभिन्न परियोजनाओं की विद्युत का उपयोग
9— **खनिज पदार्थ तथा उद्योग** 15
खनिज उत्पादन
लघु उद्योग यूनिट
बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट
10— **सड़क तथा परिवहन** 16
सड़कों की लम्बाई
रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्ड की संख्या
राज्य परिवहन
सड़क दुर्घटनायें
संचार
डाकघर व तारघर
दूरभाष केन्द्र
11— **श्रम तथा रोजगार** 17
ओधोगिक झगड़े
रोजगार केन्द्र
मजदूरी की औसत दैनिक आय
12— **सहकारिता** **18**
13— बैंक **19**
14— शिक्षा 20—21
विधालय तथा महाविधालय
अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम
इन्जिनियरिंग कालेज

16— **चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य** 22
स्वास्थ्य सेवाऐं
परिवार कल्याण प्रोग्राम
17— **कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व** 23
पिछड़े वर्ग वृद्वावस्था एवं अन्य पैन्शन
18— **विविध** 24—25
नगरपालिकाऐं
रजिस्ट्रेशन
पुलिस तथा अपराध
हरियाणा सरकार के कर्मचारी
मनोरंजन
टेलिविजन सेट
ब्चत
विकेन्द्रीयकरण
खेलकूद
सार्वजनिक वितरण प्रणाली केन्द्र
चुनाव तथा मतदाता
परिशिष्ठ—3 जिला एक दृष्टि में 2

परिशिष्ट–1

<u>जिला सामाजिक आर्थिक पुनरीक्षण जिला पानीपत</u>

वर्ष 2009–2010

पानीपत क्षेत्र का इतिहास बहुत प्राचीन है तथा शोर्य एवं वीर गाथाओं से भरा पडा है । 16वी तथा 18वी शताब्दी में पानीपत की तीन प्रसिद्ध लडाईयां इस क्षेत्र में लडी गई। प्रथम सन 1526 में मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर व दिल्ली के पठान शासक इब्राहिम लोधी के मध्य पानीपत में हुई। उसके तीस वर्ष बाद सन 1556 में दिल्ली के शासक हेमू तथा अकबर के बीच युद्ध हुआ जिस में अकबर की जीत हुई। तीसरी लडाई 1761 में मराठों और अहमदशाह अब्बदाली के बीच हुई। यहां पर अब भी युद्ध के प्रतीक के रूप में भू–चिन्ह तथा शिलालेख विद्यमान है।

1– जिले के रूप में पानीपत में हरियाणा के मानचित्र में 1 नवम्बर 1989 और पुनः एक जनवरी 1992 को अपना स्थान ग्रहण किया इससे पूर्व यह जिला करनाल का एक भाग था।

2– जिला पानीपत का कुल क्षेत्रफल 1268 वर्ग किलोमीटर है जो कि हरियाणा राज्य के कुल क्षेत्रफल का 2.87 प्रतिशत है ।

3.– भारत की जनगणना 2001 के अनुसार जिला पानीपत की कुल जनसंख्या 967449 हैं। जिसमें से 528860 पुरूष तथा 438589 स्त्रियां है । जिले में लिंगानुपात 830 तथा साक्षरता दर 69. 17 प्रतिशत है ।

4– जिला पानीपत की जलवायु विविधता लिये हुए है। अर्थात यहां पर गर्मीयों में अत्याधिक गर्मी और सर्दीयों में अत्याधिक सर्दी होती है 1 गर्मीयों में यहां का तापमान अधिकतम 45 डिग्री के आसपास तथा सर्दीयों में यह 3 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। जिला पानीपत में 2010 औसत वर्षा कमशः 636 व 1910.05 मि.मी. रिकार्ड की गई ।

5– वर्ष 2008–2009 में गांव के प्रपत्रों के अनुसार जिले का कुल क्षैत्रफल 130.0 हजार हैक्टेयर है जिस मे से 950 हजार हैक्टेयर क्षैत्र निबल बुआई क्षैत्र तथा 960 हजार हैक्टेयर एक बार से अधिक बोया गया क्षैत्र है । इस प्रकार वर्ष 2008–09 में कुल बोया गया क्षैत्र 950 हजार हैक्टेयर है । निबल बोये गये क्षैत्र में से 88 प्रतिशत गेहूँ तथा 77 प्रतिशत क्षैत्र में धान की रोपाई की गई ।

6– जिला पानीपत में 192 गांव है। जिनमे से 13 गांव गैर आबाद है। इन में से 74 गांव पानीपत तहसील, 82 गांव समालखा तथा 36 गांव इसराना तहसील में है।

7– जिला पानीपत में 5 मण्डीयां तथा 4 सब यार्ड हैं। इन मण्डीयों में मुख्य आमद गेहूँ, जीरी तथा आलू की है। जिले में संग्रहण हेतू 5 ठण्डे गोदाम है । जिनकी क्षमता 6000 टन है ।

8– यहॉ कृषि हेतू सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है । वर्ष 2008–09 में जिला पानीपत में नलकुपों द्वारा कुल 610 हजार हैक्टेयर निबल क्षेत्र की सिंचाई की गई। इसके अतिरिक्त सिंचाई का मुख्य साधन सरकारी नहरें भी है। जिन द्वारा 950 हजार हैक्टेयर निबल क्षैत्र सिंचित किया गया है।

9– जिला पानीपत के सभी गांवों का विद्युतिकरण हो चुका है । तथा लगभग सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुए है ।

10– जिला पानीपत में 2009 में कुल 795 रजिस्टर्ड फैक्टरियां थी जिन में से अनुमानित 45170 कार्यकर्ता थे। इन रजिस्टर्ड फैक्टरीयों में 675 धारा 2 ए के अधीन 19 फैक्टरीयां सैक्शन 2 एम 1 के अधीन तथा 87 फैक्टरीयां धारा 87 के अधीन विद्युत शक्ति के साथ कार्यरत थी ।

11– वर्ष 2009–10 में जिला पानीपत में 1228 सहकारी समितियां थी । जिनकी कुल जनसदस्यता 219528 थी। प्रति लाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 138 थी।

12– वर्ष 2009–10 जिला पानीपत में चिक्त्सा सुविधाओ कों प्राथमिकता प्रदान की गई है जो कि राज्य सरकार, स्थानीय निकाय तथा ऐछिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती है । जिले में 2 हस्पताल, 6 डिस्पैंसरीयां तथा 15 प्राथमिक चिक्त्सा केन्द्र तथा 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कार्यरत है ।

13– वर्ष 2008–09 में जिला पानीपत में 823 सरकारी मान्यता प्राप्त विद्याालयो में लगभग 136278 विधार्थीयों को शिक्षा प्रदान की जा रही थी। जिसमें से 30086 विधार्थी अनुसूचित जाति के है । उपरोक्त स्कूल में 5504 अध्यापक कार्यरत रहे । जिले में प्राथमिक स्तर पर 80 विधार्थी प्रति अध्यापक, माध्यमिक स्तर पर 59 विधार्थी प्रति अध्यापक, उच्च स्तर पर 18 तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 12 विधार्थी प्रति अध्यापक अनुपात रहा। इसके अतिरिक्त जिला में वर्ष 2007–08 में 11 महाविधालयों में 11047 विधार्थीयों ने डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त की ।

स्थिति तथा भौतिक विशेषताऐं

1– स्थितिः– जिला पानीपत 29̇ – 24̇ सैं 29̇ – 30̇ आक्षांश तथा 76̇ – 54̇ सैं 76̇ – 75̇ रेखाश के मध्य स्थित है । समुन्द्र तल से इसकी उंचाई 235 मीटर से 250 मीटर है । जिला पानीपत के उतर व उतर पश्चिम में जिला करनाल पश्चिम में रोहतक व दक्षिण में सोनीपत जिला है । पुर्व से लेकर दक्षिण पूर्व तक उतर प्रदेश है

2– क्षैत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचाः– जिला पानीपत के राजस्व रिकार्ड के अनुसार जिले का कुल क्षैत्रफल 1268 वर्ग कि0 मी0 है जो कि राज्य के क्षैत्रफल का 2.9 प्रतिशत है । जिले में पानीपत व समालखा 2 उपमण्डल, 3 तहसीले पानीपत, समालखा व इसराना तथा 2 उप तहसीलें बापौली, मतलौडा तथा 5 विकास खण्ड क्रमशः पानीपत, इसराना, मतलौडा, समालखा तथा बापौली है । जिले का प्रशासनिक मुख्य कार्यालय शहर पानीपत में राष्ट्रीय राज मार्ग नं. 1 पर स्थित है । क्षैत्रफल की दृष्टि से पंचकूला कों छोड़कर यह जिला राज्य के अन्य जिलों से छोटा है । जिला पानीपत में 179 आबाद गांवों को 170 पंचायतों में विभक्त किया गया है । पंचायतों को सुचारू रूप से चलाने के लिए 1971 पंच तथा 170 सरपंच है । इसके अतिरिक्त पंचायती राज के अधीन 118 पंचायत समिति सदस्य व 23 जिला परिषद् के सदस्य सेवारत है । जिला पानीपत में 5 मार्किट कमेटीयां तथा 4 सब–यार्ड है ।

3– भौतिक विशेषताऐंः– जिला पानीपत समुन्द्र तल से 235 मीटर से 250 मीटर उंचा है । इसकी लम्बाई उतर – दक्षिण 32 कि0 मी0 है । यमुना नदी जिले की समस्त पूर्वी सीमा के साथ – साथ उतर से दक्षिण की ओर बहती है । यह नदी सदा बहार नदी है । जो पानीपत को उतर प्रदेश प्रान्त से अलग करती है ।

4– भू–क्षैत्रः– यह जिला गंगा सिन्धू के मैदान का हिस्सा है । अतः जिले का भू– क्षैत्र प्राकृतिक तौर पर 2 भागों में विभक्त किया हुआ है । खादर तथा बांगर खादर की पटटी यमुना नदी तथा राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 1 के बीच होती हुई गांव पटटी–कल्याणा तक है बांगर क्षैत्र में मतलौडा व इसराना विकास खण्ड पड़तें है । यह जिला प्राकृतिक खनिज सम्पती के लिए भाग्यशाली नही है । यहां पर केवल रेत की खाने है जो कि निर्माण कार्य में काम आती है ।

6– नदियाः– सदाबहार यमुना नदी पानीपत के पूर्वी सीमा के साथ– साथ बहती हुई उतर से दक्षिण की ओर प्रवाहित होती है । यह हरियाणा को उतर प्रदेश से अलग करती है । पश्चिमी यमुना नहर इस के उतर–पश्चिम में है ओर इसके साथ– साथ आगमेनटशन नहर निकलती है । जिससे नलकूप फीड करतें है । भाखड़ा नहर भी इस जिला से गुजरती है ।

7— जलवायु तथा वर्षाः— जिला पानीपत की जलवायु गर्म तथा आर्द है । गर्मीयों में गर्म तथा सर्दीयों में सर्द है । वर्ष में जनवरी सबसे ठण्डा तथा जून में गर्म माह है । वर्षा प्रायः जून के अन्तिम सप्ताह तथा माह जूलाई के प्रथम सप्ताह से शुरू होती है एवं मास जूलाई व अगस्त में अधिकतम वर्षा होती है । वर्ष 2010 में कुल 1910ण्5 मि.मी. वर्षा तथा औसत मासिक वर्षा 636 मि0मि0 रिकार्ड की गई ।

8. जमीन की किस्मः— खण्ड इसराना व मतलौडा के कुछ भागों में सेम, कलर व खारे पानी की समस्या है । जो कि कृषि के लिए उपयुक्त नही है । कृषि विभाग द्वारा निरन्तर भूमि सुधार कार्यक्रम चलाये जा रहे है एवं इस भुमि कों कास्त के अधीन लिया जा रहां है । शेष खादर व बांगर बेल्ट में भरपूर पैदावार मुख्यतः धान, गेहूॅ व गन्ना, तेल, बीज व सब्जियों की ली जा रही है ।

9— जलस्तरः—

क— भू—जलीय स्थितिः— जिला में भू—जल स्तर का अवलोकन जमीन की सतह से 3.10 मी. से 29.00 मी. की गहराई के बीच लिया गया है । वर्ष 2003 में मानसून के पूर्वागमन । माह जून 1 के समय जिला में कुल 57 चुने हुए निरीक्षण बिन्दुओं से एकत्रित जलस्तर के आंकड़ों के आधार पर पाया गया कि जिले के 4 प्रतिशत भाग में भुमिगत जलस्तर की स्थिति 3 मी. से 5 मी., 55 प्रतिशत में 5 मी. से 10 मी., 23 प्रतिशत भाग में 10 मी. से 15 मी., 13 प्रतिशत में 15 मी. से 20 मी., 4 प्रतिशत भाग में 20 मी. से 25 मी. व 1 प्रतिशत भाग में 25 मी. से 30 मी. के बीच है । उक्त जलस्तरीय निरिक्षण के समय में जिला में औसतन जल— स्तर 11.27 मी. आंका गया ँ भूमिगत जल का बहाव जिले की दक्षिण दिशा की ओर है 1 भू—जल आंकलन के अनुसार जिला का खण्ड इसराना ए 1 ग्रे 1 श्रैणी है तथा खण्ड पानीपत, मतलौडा, समालखा व बापौली डार्क श्रैणी के अर्न्तगत आतें है 1 उक्त श्रैणी में भू—जल स्तर संसाधन के ओर अधिक विकास की सम्भावना नही है ँ।

ख— भू—जल गुणवताः— वर्ष 2003 में मानसून के पूर्वागमन के समय जिला के सम्पूर्ण क्षैत्र से एकत्रित किए गये उथले पानी के नमूनों की विद्युत चालकता के आंकलन से संकेत मिलता है कि जिला में कुल क्षैत्र का 89 प्रतिशत मीठे व 11 प्रतिशत क्षारीय है ।

1– जनसंख्या (Population)

जिला पानीपत की जनसंख्या जनगणना 2001 के आंकड़ों के आधार पर 967449 व्यक्ति है । इसमें से 557369 ग्रामीण व 392080 शहरी जनसंख्या है । जिले की कुल जनसंख्या का 61.71 प्रतिशत पानीपत, 25.68 प्रतिशत समालखा तथा 12.61 प्रतिशत इसराना तहसील में रहता है । 2001 की जनगणनानुसार 152803 व्यक्ति अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते है जो कि कुल जनसंख्या का 15.78 प्रतिशत हैं । कुल अनुसूचित जाति का ग्रामीण व शहरी अनुपात 72.23 व 27. 77 प्रतिशत था 1 1991–2000 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 38.58 प्रतिशत दशकीय वृद्वि हुई ।

तालिकाः– जिला की जनसंख्या (जनगणना 2001)

मद	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्रियां
ग्रमीण	5575369	313274	262095
शहरी	392080	215586	176494
कुल जनसंख्या	5967449	528860	438589

1.1 जनसंख्या घनत्वः–

जिला पानीपत का कुल क्षेत्रफल राज्य के कुल क्षेत्रफल का 2.9 प्रतिशत है तथा जनसंख्या 4.59 प्रतिशत है जनसंख्या के आधार पर राज्य में इसका 11 वां स्थान है । जिला में 763 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर रहते है जबकि राज्य का घनत्व 477 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है । तहसील व घनत्व 1150 व्यक्ति पानीपत तहसील 551 व्यक्ति समालखा तहसील तथा 348 व्यक्ति इसराना तहसील में प्रति वर्ग किलोमीटर है ।

1.2 ग्रामीण तथा शहरी जनसंख्याः–

जनगणना 2001 के अन्तिम आंकड़ों के अनुसार जिला की कुल जनसंख्या का 59.47 प्रतिशत भाग गांवों में रहता है तथा 40.53 प्रतिशत भाग शहरों में रहता है । कुल शहरी जनसंख्या का 92.4 प्रतिशत शहर पानीपत में रहता है । ग्रामीण क्षैत्र में तहसील पानीपत की जनसंख्या 597382 है जिले में से 327822 पुरूष व 269560 स्त्रियां है । समालखा तहसील में 248061 कुल जनसंख्या में से 135278 पुरूष व 112783 स्त्रियां है जबकि इसराना तहसील में कुल 122006 में से 65760 पुरूष व 56246 स्त्रियां है ।

जिला की जनसंख्या भारत की जनगणना 2001 अनुसार

	ग्रामीण			शहरी		
तहसील	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां	कुल व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियां
पानीपत	235168	128576	106592	362214	199246	162968
समालखा	218195	118938	99257	29866	16340	13526
इसराना	122006	65760	56246	—	—	—
कुल	575369	313274	262095	392080	215586	176494

जिला पानीपत की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 575369 है जो कि 1991 में 607156 थी । इसी तरह शहरी जनसंख्या 1991 में 209596 से बढ.कर 2001 में 392080 हो गई ।

1.3 0—6 आयु वर्ग की जनसंख्याः— जिला पानीपत की जनगणना 1991 में 0—6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 19.98 प्रतिशत था जो कि 2001 में 16.39 प्रतिशत रह गई । जनगणना 2001 में 0—6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 158552 है ।

1.4 मलिन बस्तियों की जनसंख्याः— पानीपत नगर की 102813 जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है । जिस में से 57175 पुरूष व 456638 स्त्रियां है ।

1.5 <u>लिंग अनुपातः</u>— जिला पानीपत की जनसंख्या जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर 829 महिलाओं का अनुपात है । हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जों सभी राज्यों में भी कम स्तर पर पहुच गया है । जिला पानीपत में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपातः 837 व 819 है । ग्रामीण क्षैत्रों में यह अनुपातः पानीपत तहसील में 831 इसराना तहसील में 856 व समालखा तहसील में 828 रहां । जबकि शहरी क्षैत्रों में पानीपत में 818 समालखा में 828 प्रति हजार आंका गया।

1.6 <u>0—6 आयु वर्ग के बच्चों में लिगानुपातः</u>— जिला पानीपत में 0—6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंग अनुपातः 809 है । ग्रामीण व शहरी क्षैत्रों में यह अनुपात 805 व 808 है । ग्रामीण क्षैत्रों में 3 तहसीलों पानीपत, इसराना व समालखा में क्रमशः 794, 808 व 816 तथा शहरी क्षैत्रों में पानीपत व समालखा में 813 व 770 रहा ।

1.7 <u>साक्षरताः</u>— जनगणना 2001 में जिला पानीपत में 559478 व्यक्ति साक्षर है । जिस में से 346329 पुरूष व 213149 स्त्रियां है । जनगणना 2001 में जिला पानीपत में 69.17 प्रतिशत साक्षरता दर दर्ज की गई है । जिला में पुरूष साक्षरता दर 78.50 प्रतिशत, स्त्री साक्षरता दर 57.97 प्रतिशत की तुलना में अधिक रही जबकि 1991 की जनगणना अनुसार जिलें में साक्षरता दर 55.17 प्रतिशत थी ।

1.8 साक्षरता ग्रामीण व शहरीः– जिला पानीपत में 2001 की जनगणना अनुसार जिले में ग्रामीण क्षैत्र में 63.19 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जिन में 76.37 पुरूष तथा 49.27 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है । शहरी क्षैत्र में 79.16 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है जिन में 82.83 प्रतिशत पुरूष तथा 71.34 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है ।

तालिकाः– जिले में साक्षरता दर (2001 जनगणना अनुसार)

	ग्रामीण			शहरी		
तहसील / नगर	कुल	पुरुष	स्त्रियां	कुल	पुरुष	स्त्रियां
पानीपत	64.23	75.81	50.46	76.24	82.30	68.84
ठसराना	65.23	77.62	50.90	–	–	–
समालखा	63.04	74.83	48.93	78.93	86.17	70.32

ग्रामीण साक्षरता की दृष्टि से तहसील पानीपत , इसराना तथा समालखा में साक्षरता दर 64.23, 65.23 तथा 63.04 प्रतिशत है । उक्त तहसीलों में पुरूष साक्षरता दर क्रमशः 75.81, 77.62 तथा 74.83 तथा स्त्रियां में साक्षरता क्रमशः 50.46, 50.90 तथा 48.93 प्रतिशत है । शहरी साक्षरता दर जिला के 2 नगरों पानीपत तथा समालखा में क्रमशः 76.24 तथा 78.93 रही इन्ही दो नगरों में पुरूष साक्षरता दर क्रमशः 82.30 व 86.17 तथा स्त्री साक्षरता दर 68.84 व 70.32 दर्ज की गई ।

1.9 कार्यकर्ताः– 2001 की जनगणना अनुसार मुख्य कार्यकर्ता जिला की कुल जनसंख्या का 29.93 प्रतिशत है 1 9.79 प्रतिशत सीमांत कार्यकर्ता व 7.28 प्रतिशत गैर कार्यकर्ता है ।

1.10 आयु अनुसार वर्गीकरणः– 2001 की जनगणना अनुसार जिला पानीपत में जनसंख्या का 0–6 आयु वर्ग 16.39 प्रतिशत है । जबकि राज्य में 0–6 आयु वर्ग में 15.77 बच्चे है ।

1.11 रिहायश के रूप में प्रयुक्त रिहायशी घरः– 2001 की जनगणना अनुसार वर्तमान जिला पानीपत में कुल 115236 रिहायशी घर थे । जिन में से 84163 ग्रामीण क्षैत्र व 61073 मकान शहरी क्षेत्र में पड़तें है ।

2– वन (Forest)

2.1 वनों के अधीन क्षैत्रफलः– वर्ष 2009–10 में वन विभाग के अनुसार जिला में लगभग 41 किलोंमीटर क्षैत्र वनों के अधीन था जो कि कुल क्षैत्रफल का 3.23 प्रतिशत है । इस समय जिला में 41 वर्ग किलोंमीटर वन रक्षांरित राज्य वन क्षैत्र में आते है ।

2.2 वन उत्पादनः– वन उत्पादन जैसे कि वृक्ष, लकड़ी, घास बीज व पौधे आदि के विक्रय से राज्य कों काफी आय होती है । इस के अतिरिक्त बहुत से व्यक्ति भी वनों पर अपनी जीविका चलाते है । वनों की प्रगति हेतू जिले में कई परियोजनाएं कार्यशील है । वर्ष 2009–10 में 224.72 हैक्टेयर पब्लिक व वन विभाग की भूमि पर वृक्षारोपण किया था । इस के अतिरिक्त 7.08 लाख पौधे प्रईवेट भूमि पर लगवाए गए । इन स्कीमों से वनों की बढोतरी तो होगी ही व इसके साथ–साथ जलाने की लकड़ी व वनों पर आश्रित लोगों व राज्य/ जिला की आय में भी वृद्धि होगी।

3–कृषि (Agriculture)

3.1 भू– वर्गीकरणः– वर्ष 2007–08 में ग्राम प्रपत्रों के अनुसार जिला पानीपत का क्षेत्रफल 130100 हैक्टेयर था । इसमें से 42 प्रतिशत क्षेत्र वनों के अधीन 49 प्रतिशत स्थाई चरागाहों व अन्य चराही भूमि के अधीन तथा 201 प्रतिशत खेतीबाड़ी से विभिन्न प्रयोग में लाई गई भूमि के अन्तर्गत है । कुल क्षेत्र का 16 (1.00 प्रतिशत) कृषि योग्य परन्तु बंजर भूमि के अधीन व 80 (6.0 प्रतिशत)वर्तमान परती भूमि के अन्तर्गत रहां । वर्ष 2008–09 में 1081000 हैक्टेयर कृषि योग्य क्षेत्र था । वर्ष के दौरान 95000 हैक्टेयर निबल क्षैत्र कास्त किया गया। एक बार अधिक बोया गया क्षेत्र 96000 हैक्टेयर था। वर्ष 2008–09 में कुल कास्त अधीन क्षैत्र 191000 हैक्टेयर है । पानीपत का निबल क्षैत्र 41600 हैक्टेयर, समालखा 33400 हैक्टेयर तथा इसराना तहसील का क्षेत्रफल 20000 हैक्टेयर था ।

3.2 कृषि जोतेः– कृषि गणना 2000–01 के अनुसार जिला पानीपत में 69546 कृषि जोते कार्यरत थी । इसमें से 42.70 प्रतिशत जोते 0.5 हैक्टेयर, 19.18 प्रतिशत 0.5 से 1.0 हैक्टेयर, 17.24 प्रतिशत जोते 1–2 हैक्टेयर, 15.54 प्रतिशत 2.00 से 5.0 हैक्टेयर तथा 5.34 प्रतिशत जोते 5.0 हैक्टेयर से अधिक है

3.3 मुख्य फसलेः– जिला पानीपत की रबी की मुख्य फसले गेहॅू, जौ तथा खरीफ की मुख्य फसले धान तथा मक्की है ।

3.4 मुख्य फसलों का उत्पादनः– फसलों के अधीन उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा जलवायु तथा भूमि की उपजाउ शक्ति का मुख्य योगदान रहता है । जिले की मुख्य फसलें जैसे गेहॅू तथा धान है । वर्ष 2008–09 में गेहॅू का उत्पादन 4270 हजार टन, चावल का उत्पादन 1690 था ।

3.5 अधिक उपजाउ किस्मेंः– जिला पानीपत में गेहॅू तथा धान की अधिक उपजाउ किस्मों के बीजों का प्रयोग हो रहां है । वर्ष 2008–09 में गेहॅू के अधीन 100 प्रतिशत क्षैत्र है जबकि धान के अधीन 100 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाउ बीजों का प्रयोग हो रहा है ।

3.6 रसायनिक खाद का वितरणः— वर्ष 2009—10 में कुल खाद का उपयोग 43731 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 33823 टन तथा फासफोरस 8936 टन, जबकि पोटास का उपयोग केवल 972 टन रहा।

3.7 पौधों की सुरक्षा के उपायः— वर्ष 2009—10(P) में 121957 कि0ग्रा0 कीटनाशक दवाईयों का उपयोग किया गया जो मुख्यतः गेहूँ तथा धान की फसलों के अधीन क्षैत्रों में किया गया ।

3.8 कृषि यन्त्र तथा उपकरणः— जिला में उपयोग किए गये कृषि यन्त्र तथा उपकरणो में ट्रैक्टरों की संख्या 14318 थी । कम्बाईन हारवेस्टरों की संख्या 6677 थी जिस में से 469 कम्बाईन हारवैस्टर ट्रैक्टर चालित तथा शेष 6208 स्वयं चालित कम्बाईन हारवैस्टर थी । वर्ष 2003 की गणना में जिला पानीपत में 7309 चार पहियो वाले ट्रैक्टर कृषि कार्यो में प्रयोगरत रहे।

3.9 कृषि उपज तथा बिक्री संग्रहणः— वर्ष 2008—09 में पानीपत में कृषि उपज की पूर्ति के लिये 5 मार्किट कमेटियां तथा 4 सब यार्डस द्वारा बिक्री एवं खरीद करवाई गई जिस में मुख्य आमद धान ,गेहूँ,,सूर्यमुखी एवं आलू की फसल रही ।

3.10 आमदः— वर्ष 2009—10 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूँ की आमद 730200 टन, धान की आमद 308300 टन, आलू की आमद 24000 टन रही ।

3.11 इन सभी मण्डियों में किसानों के रात को ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह भी है। इसके अतिरिक्त पीने के पानी एवं पशुशाला आदि की सुविधा भी है ।

3.12 जिला पानीपत में वर्ष 2008—09 में सरकारी गोदामों की क्षमता 207 हजार टन की रही।

3.13 समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रमः— जिला पानीपत में जिला ग्रामीण विकास ऐजैन्सी पानीपत के 1989 से अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिए भरसक प्रयास रहे है और इस दिशा में इसे न केवल शत—प्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का श्रेय है बल्कि गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तविक वृद्धि लानें में सफल रही । अब इस दिशा में और कारगर रूप में सक्रिय है । ऐजैन्सी का यह दृढ़ संकल्प है कि जिला पानीपत के हर परिवार कों अधिक से अधिक सहायता प्रदान कर दे कि वह गरीबी रेखा पार कर ले । वर्ष 2006—07 के दौरान स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्व रोजगार के तहत 562 परिवारों कों 134.10 लाख रूपयें की ऋण राशि की सहायता प्रदान की ताकि यह परिवार गरीबी रेखा को पार कर सके । कुल 448 लाभार्थियों में से 283 (50.36 प्रतिशत) अनुसूचित जाति से सम्बन्धित है । इस के अतिरिक्त समपुर्ण ग्रामीण रोजगार योजना के अन्तर्गत 223000 कार्य दिवसों का सृजन किया गया । इन्दिरा आवास योजना के तहत 312 नए मकान योग्य परिवारों के लिए बनवाए गए तथा प्रधान मन्त्री रोजगार योजना के तहत 691 प्राथी को रोजगार दिया गया तथा 396.70 लाख की ऋण राशि प्रदान की गई ।

4–सिचाई (Irrigation)

4.1 सिचांई के साधनः– वर्ष 2008–09 में निबल सिचांई क्षेत्र 95000 हैक्टेयर था जो कि बोए गये निबल क्षेत्र का 100 था । स्त्रोत्र अनुसार सिंचाई के क्षेत्र में 340 नलकूपो व अन्य साधनों से तथा – : नहरों का योगदान तथा नलकूपो द्वारा कुल 61000 हैक्टेयर तथा नहरों द्वारा 34000 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई की गई ।

4.2– वर्ष 2008–09 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोए गये क्षेत्र का 100 प्रतिशत था ।

4.3 फसल अनुसार सिंचित क्षेत्रः– वर्ष 2008–09 में फसल अनुसार कुल बोया गया क्षेत्र 191000 हैक्टेयर था जो शत–प्रतिशत सिंचित था । फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार से रही । गेहूं के अधिन 880 धान के अधिन 780, गन्ना के अधिन 40 रहा ।

4.4 नलकूप एवं पंम्पिंग सैटः– वर्ष 2009–10 में नलकूपों तथा पम्पिंग सैटो की संख्या 21260 थी ।

4.6 बाढ़ः– जिला पानीपत का कुल क्षेत्रफल 1301 वर्ग कि0मी0 है । वर्ष 1995 से पहले प्रायः इस क्षेत्र का 75% बाढ़ ग्रस्त रहता था । उसी समय से बाढ़ रोकने के समूचित कदम उठाए गए जिस के फलस्वरूप जिला में बाढ़ का प्रकोप प्रायः लगभग समाप्त हो चुका है ।

5– पशुपालन एवं डेरी (<u>Animal Husbandary</u>)

5.1 पशुधनः– वर्ष 2007–2008 की पशु गणना के अनुसार जिला पानीपत में पशुधन की संख्या 329200 तथा कुक्कुट संख्या 1660200 थी । वर्ष 2007 में कुल पशुधन में से 12.22 ⁄. गाय व बैल, 76.85 ⁄. भैसे, 4.69 ⁄. भेड़ बकरी 0.42 ⁄. घोड,गधे व खच्चर तथा 5.42 ⁄. उ्ट, सूअर तथा कुत्ते थे ।

5.2 जिला पानीपत में वर्ष 2007–2008 की पशु गणना अनुसार प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 42 भैसे, 262 घोड़े तथा खच्चर 1, गधे 3 से कम, भेड़े 9, बकरियां 6 तथा कुकुटादि 171 थी।

5.3 पशु चिकित्सा सेवाऐंः– वर्ष 2008–09 में जिला पानीपत में पशु चिकित्सा सेवाऐं प्रदान करने के लिए 34 पशु चिकित्सालय 73 पशु चिकित्सा डिस्पैंसरियां तथा कुक्कुटादि विस्तार कैन्द्र था व एक पशु रोग निदान प्रयोगशाला थी ।

5.4 सभी पशु संस्थाओं द्वारा वर्ष 2008–09 में 115000 पशुओं का ईलाज किया गया । वर्ष के दौरान 452 हजार टीके पशुओं को भिन्न–भिन्न रोगों के उपचार हेतू लगाये गये । इसके अतिरिक्त 13 गाशालाएं कार्यरत थी ।

5.5 डेरी व दुग्ध उत्पादनः– दूग्ध उत्पादन कृषकों के लिए अतिरिक्त आय का मुख्य साधन है। वर्ष 2007 की पशु गणना अनुसार कुल पशुधन अर्थात 380000 में से 98900 दुधारू पशु थे ।

5.6 डेयरीः– इस विभाग द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक⁄ युवतियो को मिनी डेरी सीापित करने से पूर्व 11 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे अपने पशुओं की देखभाल व उनका रख – रखाव वैधनिक रूप से कर सके । व ि 2008–09 में कुल 516 युवक युवतियां को प्रशिक्षण दिया गया ।

6– मतस्य पालन (Fisheries)

6.1 जिला पानीपत में मतस्य पालन हेतू जल प्रयाप्त मात्रा में उपलब्ध है । इसे यथोचित प्रयोग करके मतस्य उत्पादन में बहुत वृद्धि हो सकती है । मतस्य पालन बहुत ही उपयोगी व्यवसाय है । भली–भांति इस का उपयोग करके किसानों में इस ओर रूझान पैदा किया जाए तो बहुत से व्यक्तियों का सफल एवं उपयोगी व्यवसाय बन सकता है । जिला पानीपत में यमुना नहर की लम्बाई लगभग 3.2 कि0मी0 है । पश्चिमी यमुना नहर ओर इस की शाखाओं की लम्बाई लगभग 56 कि0मी0 है । यदि इसका उचित ढंग से उपयोग किया जाए तो मतस्य पालन में क्रांति आ सकती है । वर्ष 2009–10 में मछली पालन में कुल 166640 हजार रूपये की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 200 लाईसैन्स जारी किये गये । मछली पालन के लिए कुल 585 हैक्टेयर भूमि को प्रयोग में लाया गया । 4166 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपन्न हुआ । वर्ष 2009–10 में 20 बिना लाईसैंस मछली पकड़ने वालों से 400 रूपये वसूल किये गये । मतस्य विभाग के साथ–साथ मतस्य विकास ऐजैन्सी भी इस व्यवसाय में रूचि लेने वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करती है । व्यवसाय के विकास हेतू लोगो को लम्बी अवधि के लिए ऋण जुटाती है । किसानों को मछली बिक्री व बीज की सुविधा प्रदान करती है । वर्ष 2009–10 में इस व्यवसाय हेतू 20–सुत्री कार्यक्रम के अधिन अनुसूचित जाति के 89 व्यक्तियों को ऋण व प्रशिक्षण सहायता प्रदान की गई ।

7– बिजली (Electricity)

7.1 विद्युतिकरण :– जिला पानीपत में स्थित सभी शहर व गांव में विद्युतिकरण हो चुका है ।

7.2 नलकूप व पम्पिंग सैटः– जिला पानीपत में कृषि प्रयोग हेतू वर्ष 2009–10 में कुल 21260 नलकूप व पम्पिंग सैट कार्य कर रहे थे जिस में से 18384 नलकूप बिजली के थे । सघन कृषि उत्पादन के लिए सिंचाई अत्यन्त आवश्यक है क्योकि बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान पूर्ति हेतू सिंचाई की अधिकता से ही उत्पादन बढ़ाया जा सकता है ।

7.3 विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोगः– पानीपत सर्कल में वर्ष 2009–10 में 5428 कि0मी0 एल0टी0 लाईने, 3041 कि0 मी0 11 के0वी0 लाईने तथा 26874 ट्रांसफार्मर थे । इस प्रकार जिला पानीपत में संयोजनों की संख्या 201473 हो गई । कुल संयोजनों में से 143728 घरेलू व 23435 वाणिज्य तथा 6448 औधौगिक, 27784 कृषि उपयोगों के लिए थे ।

7.4 जिला पानीपत में वर्ष 2008–09 के दौरान 20914.18 लाख किलोवाट बिजली की खपत हुई जिस में से 1781.90 लाख किलोंवाट घरेलू व 861.10 किलोंवाट वाणिज्यकी, 1923.10 किलोंवाट औधौगिक व 19.31 किलोंवाट सार्वजनिक प्रकाश, 346.19 किलोंवाट सार्वजनिक जन–पूर्ति, 8149.32 किलोंवाट कृषि व 9.19 किलोंवाट कार्यालय वर्क ााप इत्यादि तथा 7824.10 किलोंवाट बिजली भारी मात्रा में उपयोग करने वाले समायोजनों द्धारा खपत की गई ।

7.5 विद्युत प्रसारण के लिए धर्मगढ़ गांव में 33 के0वी0 का सब स्टेशन चालू किया गया जिस पर 79 नए ट्रांसफार्मर लगाये गये व 74 ट्रांसफार्मर की वृद्धि की गई ।

8–खनिज तथा उद्योग (Mining & Indistries)

8.1 खनिज उत्पादनः– जिला पानीपत में खनिज पदार्थ अधिक मात्रा में नही पाए जाते जिसका उत्पादन किया जा सके । इस जिले में केवल यमुना नदी के किनारे रेत की खाने है जो कि भवन निर्माण के कार्य में काम आता है ।

8.2 जिला पानीपत में औधौगिक रूप से पिछले दशकों में काफी उन्नति हुई है । पानीपत शहर हैण्डलूम टाउ्न के रूप में जाना जाता है । इसके अतिरिक्त समालखा में लोहे की ढलाई का कार्य तथा चारा टोका मशीन का उत्पादन बड़े स्तर पर होता है । वर्ष 2009 में कुल 795 फैक्टरियां रजिस्टर्ड थी जिसमें से 675 फैक्टरियां 2 एम , 19 फैक्टरियां 2 एम के अधिन तथा 87 फैक्टरियां धारा 87 के अधिन रजिस्टर्ड थी जिन में अनुमानित 43544 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे । जिले के मध्यम तथा बड़े स्तर के उद्योग विभिन्न वस्तुओं के निर्माण कार्य में लगे हुए है । जैसा कि सहकारी शुगर मिल, पानीपत , सहकारी शराब फैक्टरी, नेशनल फर्टीलाईजर, थर्मल प्लांट, पंचरंगा आचार तथा स्टी क्राफ इत्यादि है । वर्ष 2009–2010 के दौरान जिला उद्योग केन्द्र ने 750 अनुसूचित बेरोजगार युवकों कों अपना धन्धा स्थापित करने में सहयोग किया तथा औधौगिक पंजीकरण स्कीम के तहत 26 ईकाईयां पंजीकृत की गई ।

8.3 औधौगिक सम्पदाः– औधोगों के विस्तार के लिए राज्य सरकार की औधौगिक विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्रधिकरण द्वारा 7 तथा 8 फेस के 11 ओर सैक्टर 25 में कुछ औधौगिक प्लाट विकसित किए जाने प्रस्तावित है ।

8.4 उत्पादनः– वर्ष 2009 में '–' लाख रूपये के सुती कपडें, 3552 लाख रूपये के उ्नी कपड़ै व 6997 लाख रूपयें के पावरलूम उत्पादन ओर '–' लाख रु0 के कृषि उपकरण का उत्पादन किया गया ।

9–सड़क परिवहन तथा संचार (Road, Transport Communication)

9.1:– सडकों की लम्बाई:– लोक निर्माण ! भवन तथा सड़के ! द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देखभाल की जाती है । वर्ष 2009–10 में जिला पानीपत में 1007 किलोमीटर पक्की सड़के थी । वर्ष 2009–10 के दौरान जिला के सभी गांव सड़कों से जुड़े हुए है । जिला पानीपत में 9 रेलवे स्टेशन है । जिन की लम्बाई लगभग 45 किलोंमीटर है ।

9.2 राज्य परिवहन:– जिला पानीपत में हरियाणा राज्य का एक परिवहन डिपों है जिसमें 112 बसे जिले के भीतर व राज्य के बाहर अर्न्तराज्य रूटों पर चलाई जा रही है । इन बसों द्वारा वर्ष 2009–10 में 144.42 लाख किलोंमीर दूरी तय की गई जिससे 2620.83 लाख रूपये की आय हुई । इन बसों में प्रतिदिन औसत 25997 यात्रयों द्वारा यात्रा की गई।

9.3 सडक दुर्घटनाऐं:– वर्ष 2008–09 में 503 दुर्घटनाऐं घटी जिस में 505 गाड़ीयां दुर्घटनाग्रस्त हुइ। इन दुर्घटनाओं में 295 व्यक्ति मारे गये तथा 449 व्यक्ति घायल हुए ।

9.4 वाहन पंजीकरण:– वर्ष 2008–2009 में जिला पानीपत में 20269 विभिन्न प्रकार की गाड़ीयो का पंजीकरण किया गया।

9.5 डाक व तार घर:– वर्ष 2009–10 में जिला पानीपत में 98 डाकघर व 2 तारघर कार्य कर रहे थे ।

9.6 दूरभाष केन्द्र:– वर्ष 2009–10 में जिला पानीपत में 14 दूरभाष केन्द्र तथा 590 सार्वजनिक टेलीफोन घर थे।

10–श्रम तथा रोजगार (Labour Employment)

10.1 औधौगिक झगड़े :– वर्ष 2009 के दौरान जिला पानीपत में 360 औधौगिक झगड़े हुए । वर्ष के दौरान औधौगिक संगठन में किसी प्रकार की तालाबन्दी व हड़ताल नही हुई । जिले में वर्ष 2008 में श्रमिक संघ अधिनियम 1926 के अधिन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 85 है ।

10.2 रोजगार केन्द्रः– जिला पानीपत में 31 मार्च, 2007 कों 29859 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार थे । जिन में से 18552 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 11307 व्यक्ति निजी क्षे़त्र में लगे हुए थे ।

10.3 जिला पानीपत में 2 रोजगार कर्यालय एवं एक व्यवसायिक केन्द्र है । इन रोजगार कार्यालयों में वर्ष 2009 के दौरान 6214 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतू पंजीकरण करवाया गया जिस से कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या 38733 हो गई । इन रोजगार केन्द्रों से 38 नियोजकों द्वारा सेवाऐं भी ली गई तथा 97 व्यक्तियों को रोजगार करवाया गया ।

10.4 जिला पानीपत में वर्ष 2009–2010 के दौरान 10667 दुकानों में 8129 कर्मचारी 478 वाणिज्यक प्रतिष्ठानों में, 4380 कर्मचारी, 177 होटल तथा जलपान गृहों में 538 कर्मचारी कार्यरत रहें ।

10.5 मजदूरों की औसत दैनिक आयः– वर्ष 2009 माह जून के दौरान जिला पानीपत में कुशल कार्यकर्ता जैसे बढ़ई, लोहार की दैनिक मजदूरी – तथा – रु0 थी, हल चलाने वाले कृषि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 180 व बिजाई 180 व गोदाई 180तथा अन्य कृषि सम्बन्धित मजदूरी 172.50 प्रतिदिन रही ।

11–सहकारिता (Co-Operative)

11.1 सहकारिता वर्ष 2009–10 में जिला पानीपत में 1228 सहकारी समितियां थी । जिनकी सदस्यता 219528 थी ।

11.2 वर्ष के दौरान इन सहकारी समितियों में 100.50 करोड़ रूपये हिस्सापंजूी , 143.42 करोड़ रूपये निजी पूंजी थी जबकि 1037.02 करोड़ रूपये कार्य पुंजी रही । इस प्रकार वर्तमान सीमा के अनुसार अनुमानित जनसंख्या के आधार पर प्रति व्यक्ति अंकित कार्य – पुंजी 10719 रूपये थी ।

11.3 प्रति लाख व्यक्तिों पर समितियों की संख्या 138 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समितियों के सदस्यों की संख्या 220 थी । सभी 1228 सहकारी समितियों एवं बैंकों में से एक केन्द्रीय सहकारी बैंक, 32 कृषि ऋण, 12 गैर कृषि ऋण, – प्राथमिक भूमि विकास बैंक , 4 विपन्न गन्नापूर्ति, 46 दुग्ध–पुर्ति, 9 उपभेक्ता समितिया, 452 आवास योजना, शुन्य खेती समितियां तथा शेष 452 अन्य प्रकार की समितियां थी ।

12– बैंक (Banking)

12.1 जिला पानीपत में वर्ष 2008–09 में 109 अनुसूचित वांणिज्यक बैंक, 13 को–ओप बैंक, 4 प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण बैंक तथा हरियाणा वितीय निगम कार्यरत थे ।

12.2 मार्च, 2009 तक 3051 करोड़ रूपये जिला पानीपत में अनुसूचित वांणिज्य बैंकों में जमा थे जिस में से 3683 करोड़ रूपये ऋण के रूप में दिए गये ।

13–शिक्षा (Education)

13.1 विधालय एवं महाविधालयः– जिला पानीपत में वर्ष 2008–09 के दौरान 490 प्राथमिक, 97 माध्यमिक तथा 236 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विधालय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे थे । इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च एवं वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विधालयों में क्रमशः 1628, 576 व 3300 अध्यापक कार्यरत थे । इस प्रकार इन विधालयों में 5504 अध्यापक कार्यरत थे ।

13.2 वर्ष 2008–09 के दौरान 136278 विधार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे । इनमें से 56158 विधार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विधालयों में, 41266 माध्यमिक विधालयों तथा शेष 38854 विधार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विधालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे ।

13.3 वर्ष 2007–08 में जिला पानीपत में अनुसूचित जाति के कुल 30086 विधार्थियों ने मान्यता प्राप्त विधालयों में शिक्षा प्राप्त की है । इन में से 1337 विधार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विधालयों में 3542 माध्यमिक विधालयों में तथा शेष 25207 विधार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विधालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहें थे ।

तालिकाः– मान्यता प्राप्त विधालयों में विधार्थियों की संख्याः–

मद	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	जोड	लडके	लडकियां	जोड	लडके	लडकियां
प्राथमिक	56158	27964	28194	1337	703	634
मध्यमिक	41266	20366	20900	3542	1825	1717
उच्च वरिष्ट	38854	19740	19114	25207	13728	11479
जोड	136278	68070	68208	30086	16256	13830

13.4 जिला पानीपत में प्रति अध्यापक विधार्थियों का अनुपात लगभग 122 छात्र प्राथमिक विद्यालयो में, 27 छात्र माध्यमिक विद्यालयो में, तथा 36 वरिश्ठ माध्यमिक विधालयों में था ।

13.5 इसके अतिरिक्त प्राईमरी शिक्षा के लिए समेकित बाल विकास प्रयोजना के अन्तर्गत पानीपत,इसराना,समालखा,बापौली व मतलौडा ब्लाक में 675 आंगनवाड़ी केन्द्र कार्यरत थे ।

13.6 जिला पानीपत में वर्ष 2009–10 में 11 कला एवं विज्ञान महाविधालयों में 11047 विधार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे । जिस में से 770 विधार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे ।

13.7 तकनीकी शिक्षा संस्थानः—जिला पानीपत में एक औधौगिक प्रशिक्षण संस्था है जो कि विधार्थियों को अलग—अलग केडर जैसे वैल्डिंग, मोल्डिंग बढ़ई —गिरी, स्टैनोंग्राफी में प्रशिक्षण प्रदान करती है । इनमें 412 प्रशिक्षणार्थियों ने शिक्षा प्राप्त की । ग्रामीण औधौगिक विकास केन्द्र का एक स्कूल गांव किशनपुरा तथा पानीपत शहर में खोला हुआ है जिन में 20—20 प्रशिक्षणार्थियों कों जुता बनानें, चमड़ा रंगने के लिए प्रशिक्षण दिया गया । हैण्डलूम तकनीकी शिक्षा हेतू गांव सनौली में प्रशिक्षण चल रहां है ।

अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमः— व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिले में एक होटल मैनेजमैन्ट कैटरिंग एवं न्यूट्रीशयन संस्थान में वर्ष 2009—10 में 165 विधार्थीयो ने डिपलोमा किया। इसके अतिरिक्त इंजिनियरिंग कालेज ।एन.सी.। इसराना में स्नातक स्तर के 2429 प्रवेश क्षमता रही । इस महाविधालय में छात्र / दात्राओं की कुल संख्या 2143 थी ।

14–चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य (Health & Public Health)

14.1– स्वास्थ्य सेवाऐंः– जिला पानीपत में राज्य सरकार तथा प्राईवेट संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की ऐलोपैथिक संस्थाओं जिस में 105 राज्य सरकार द्वारा तथा 2 प्राईवेट सहायता प्राप्त संस्थाओं द्वारा चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई । इन संस्थाओं में 2 हस्पताल, 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जिस में 14 ग्रामीण क्षेत्र तथा एक शहरी क्षेत्र में, 2 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 6 डिस्पैन्सरी तथा 89 उपकेन्द्र कार्यरत थे । इसके अतिरिक्त जिले में 16 आयुर्वेदिक डिस्पैन्सरी भी चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रही है । जिले में विशेष चिकित्सा के लिए एक क्षय रोग केन्द्र तथा एक आयुर्वेदिक महाविधालय में अन्तरंग तथा बाह्य रोगियों को भी चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है।

14.2 वर्ष 2009–10 में सरकारी संस्था द्वारा 327568 रोगियों को चिकित्सा सेवाऐं प्रदान की गई । वर्ष 2009–10 में सरकारी संस्था में 293 बिस्तर उपलब्ध थें ।

14.3 वर्ष 2009 में जिले में जन्मों की संख्या 27152 थी जिनमें 12067 ग्रामीण तथा 15085 शहरी क्षेत्र में जन्म हुए । वर्ष 2009 में मौतो की संख्यां 5612 रही जिन में से 67 एक वर्ष से कम उम्र की मौते हुई ।

14.4 परिवार कल्याण प्रोग्रामः– वर्ष 2009–2010 में जिला पानीपत में 4 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे । वर्ष 2009–10 में नसबन्दी के कुल 3620 केसिज किए गये । जिन में से पुरूष के 612 तथा महिलाओं के 3008 केस थे । वर्ष के दौरान आई.यू.डी. प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या 7484 थी ।

14.5 सुरक्षित पेयजलः– जिला पानीपत में पेयजल परियोजना के अधिन जिला के सभी गांवों को पेयजल सुविधा प्रदान की जा चुकी है ।

14.6 यमुना शुद्विकरण योजनाः– यमुना शुद्विकरण योजना जापान सरकार की सहायता से भारत में 15 प्रमुख शहरों में कार्यान्वित की जा रही है । इस योजना के अन्तर्गत पानीपत शहर के लिए 41.55 करोड़ रूपये का प्रावधान सिवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट सीवर लाईनें व 4 सुलभ शौचालय आदि के लिए वर्ष 1995 से 2001 तक रहां । 2001–2002 में जापान सरकार से भारत सरकार के माध्यम 22.28 करोड़ रूपये की अतिरिक्त राशि प्राप्त हुई ।

15–कल्याण विभाग (Social Welfare)

वर्ष 2008–09 में जिला के कल्याण विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार का व्यवसायिक प्रशिक्षण दिलवाया गया । विभाग ने इन जातियों से सम्बन्धित 60 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया तथा 15 परिवारों को निर्माण हेतू 7,29,000 रू0 की अनुदान राशि प्रदान की गई ।

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम अनुसूचित जाति के 632 व्यक्तियों को वर्ष 2007–08 में विभिन्न स्कीमों के अधिन 248.93 लाख रूपये की सहायता उपलब्ध कराई गई । निगम द्वारा योग्य निर्धन परिवारों को 10000/–रू0 की अनुदान राशि या ऋण का 50 प्रतिशत जो भी कम हो प्रदान की जाती है व उसके हित में कुल ऋण का 10 प्रतिशत मार्जिन मनी भी दी जाती है ।

अल्प संख्यक समुदाय हरियाणा पिछड़े वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर कल्याण निगम द्वारा वर्ष 2007–08 में 233 व्यक्तियों कों 81.66 लाख रूपयें की राशि का ऋण उपलब्ध करवाया गया । ऋण पर मात्र 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा।

हरियाणा महिला विकास निगम ने भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की 515 महिलाओं को स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए बैंकों से 172.75 लाख रु0 का ऋण उपलब्ध कराया जिस में 59.79 लाख रूपये की अनुदान राशि थी ।

वर्ष 2008–09 में जिला पानीपत में समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्वा अवस्था पैंशन के अन्तर्गत 39527 वृद्व व्यक्तियों को 300/– प्रतिमाह की दर से कुल 1439.32 लाख रूपये, विधवा पैंशन योजना के तहत 19211 लाभ पात्रों को 793.56 लाख रूपये तथा 4419 विकलांग व्यक्तियों को 212. 15 लाख रूपये की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई ।

16—विविध

16.1 नगरपालिकाऐं:— वर्ष 2009—10 के दौरान जिला पानीपत में स्थित नगरपरिशद् में 119690968 लाख रूपये की आय व 114985834 लाख रूपयें व्यय किए गये जबकि वर्ष 2008—09 के दौरान 112363274 लाख रूपयें की आय तथा व्यय 116750831लाख रूपये था।

16.2 जिला राजस्वः—जिला राजस्व में वर्ष 2008—09 में निम्नलिखित साधनों से राजस्व की प्रप्ति हुई । हरियाणा मुल्य वर्धित कर से 17090000 लाख रूप्ये, केन्द्रीय बिक्री कर से 3257000 लाख रूपये, मनोरंजन कर से 136.31लाख रूप्ये की आय हुई जबकि वर्ष 2006—07 में हरियाणा मुल्य वर्धित कर से 106256.69 लाख रूपये, केन्द्रीय बिक्री कर से 22084.09 लाख रूपये प्राप्त हुए।

16.3 पुलिस तथा अपराधः— जिला पानीपत में वर्ष 2009—10 में 9 पुलिस स्टेशन तथा 18 पुलिस चौकिंया कार्यरत थी । जिले में वर्ष के दौरान 2813 अपराध हुए जिसमें से 9 हत्या, 31 लूटपाट, 187 सैंध व चोरी, 1670 विविध केस अपराधों से सम्बन्धित थे । जबकि वर्ष 2008—09 में कुल 1498 विभिन्न प्रकार के अपराध हुए।

16.4 हरियाणा सरकार के अधिन कर्मचारीः— जिला पानीपत में 31 मार्च, 2009 को हरियाणा सरकार के अधिन कार्यालय में 11131 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 7747 पुरूष व 3384 स्त्रियां कर्मचारी थी । जिले में अनुसूचित जाति के 2173 तथा पिछड़ा वर्ग के 1552 कर्मचारी थे ।

तालिकाः— जिला पानीपत में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31.3.2009

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछडा वर्ग	
	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां	पुरुष	स्त्रियां
वर्ग—I	72	18	8	0	1	1
वर्ग.II	382	146	53	24	39	22
वर्ग.III	4752	1060	759	127	703	145
वर्ग-IV	1714	179	579	88	252	25
फुटकर	202	1419	89	310	0	159
तदर्थ	—	1	—	—	—	—
संविदा आधार	625	561	97	39	139	66
जोड	7747	3384	1585	588	1134	418

16.5 मनोरंजनः— वर्ष 2008—09 में जिला पानीपत में 5 सिनेमाघर थे । पानीपत स्थित स्काईलार्क पर्यअन सील व होली पार्क झील से राष्ट्रीय तथा अन्र्तराष्ट्रीय पर्यटकों का मनोरंजन हुआ । इसके अतिरिक्त इब्रहिम लोधी का मकबरा, सलारगंज गेट खूला आलीशाह खलन्द्र की मजार, काला आम व देवी समाध दर्शनीय सील है।

16.6 खेल कूद :जिले में वर्ष के दौरान समय—समय पर पंचायत, खण्ड, जिला एवं राज्य स्तरीय खेलों का आयोजन किया गया । राज्य स्तरीय खेलों में मुख्यतः तलवारबाजी प्रतियोगिता का आयोजन, कबडडी में जिले की टीम को 17 वें हरियाणा राज्य ओलम्पिक खेल उत्सव में प्रथम स्थान व राष्ट्रीय ओलम्पिक खेलों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। हरियाणा की टीम में 4 महिला खिलाड़ियों का भाग लेना उल्लेखनीय है ।

16.7 लघु बचतः— जिला पानीपत में लघु बचत योजना में वर्ष 2008—09 में 16.81 लाख रु0 का लक्ष्य प्राप्त किया गया।

16.8 विकेन्द्रीयकृत योजनाः— जिला पानीपत में विकेन्द्रीयकृत योजना के तहत वर्ष 2010—11 के दौरान 884.00 लाख रूप्ये की राशि जिले की विभिन्न विकास कार्यो के लिये जारी की गई ।

16.9 सार्वजनिक वितरण प्रणालीः— वर्ष 2008—09 के दौरान जिले में 481 डिपों पी.डी.एस. स्कीम को चलाने के लिये कार्यरत थे । टी.पी.डी.एस. के तहत बी.पी.एल. के 25659 राशन कार्ड अन्तोदय परिवारों के 13300 तथा ए.पी.एल. के 331478 कार्ड प्रचलित रहे । बी.पी.एल. परिवारों को गेहूँ का आटा 4.83 रूप्ये प्रति कि0ग्रा0 व अन्तोदय परिवारों को 2.08 रूप्ये प्रति कि0ग्रा0 की दर से प्रतिमाह प्रति परिवार 35 कि0ग्रा0 उपलब्ध रहां । जिले में एल.पी.जी. पैट्रोल व डीजल प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहां । जिला पानीपत में ईटों का मुल्य 3600—3800 रूप्ये ढुलाई रहित प्रति हजार रहां ।
चुनाव तथा मतदाताः— जिला पानीपत में तीन विधान सभा सीटों पानीपत / समालखा तथा नौल्था के लिये 541005 मतदाता थे ।

परिशिष्ट – 3

जिला एक दृष्टि में चुने हुए सूचकांक

1– जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग कि0मी0 2001	763
2– कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशत्ता 2001	59.47
3– कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशत्ता 2001	40.53
4– कुल जनसंख्या पर 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशत्ता 2001	16.39
5– कुल जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	829
6– ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	837
7– शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	819
8– 0–6 आयु वर्ग जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	809
9– साक्षरता 2001	
पुरूष	78.50
स्त्रियां	57.97
कुल	69.17
10– एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र	93100
11– गांव में विद्युतिकरण की प्रतिशत्ता	100.00
12– स्कूल जाने वाले प्रति हजार बच्चों पर स्कुलों की संख्या 2004–2005	
प्राथमिक	4
माध्यमिक	9
उच्चतर	3
13– प्रति लाख जनसंख्या के पीछे रोगी बिस्तरों की संख्या	26
14– प्रति 5 लाख जनसंख्या के पीछे हस्पतालों की संख्या	2
15– प्रति बैंक के पीछे व्यक्तियों की संख्या वर्ष 2007–2008	11200
16– प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र पर पक्की स्तही सड़कों की लम्बाई कि0मी0 2008–09	79.34
17– प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या	9
18– प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या	1